



आडवाणी से मिलने पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली: 25 साल पहले शुरू हुआ एक सफर आज एक खास पड़ाव पर पहुंच गया। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से सरकार के प्रमुख के तौर पर उनकी जिम्मेदारी लगातार आगे बढ़ती रही। इसी सफर के 25 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी BJP के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मिलने उनके आवास पहुंचे। उन्होंने आडवाणी का हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद लिया। 7 अक्टूबर 2001 को ली थी पहली बड़ी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री मोदी ने 25 साल पहले आज ही के दिन यानी 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद से वह लगातार सरकार के प्रमुख के तौर पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में करीब 12 साल तक जिम्मेदारी संभालने के बाद नरेंद्र मोदी 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद से वह लगातार प्रधानमंत्री के पद पर हैं।

25 साल का सफर गुजरात से दिल्ली तक
7 अक्टूबर 2026 को नरेंद्र मोदी ने सरकार के प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे किए। उनके इस सफर की शुरुआत गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर हुई थी। इसके बाद 2014 में उन्होंने देश के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। जनसेवा के 25 साल पूरे होने के मौके पर पीएम मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

इस मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल



मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आडवाणी जी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। जनसेवा और राष्ट्रीय जीवन में उनके दशकों के योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने भारत की प्रगति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार के प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर उन्होंने BJP के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात कर हालचाल जाना और आशीर्वाद लिया।

दूसरे दिन राहुल के प्रदर्शन में अधिकतर विपक्षी दल

नई दिल्ली: चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष के आंदोलन के दूसरे दिन बुधवार को राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में INDIA गठबंधन के अधिकतर दलों के नेता नजर आए, लेकिन समाजवादी पार्टी की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में चर्चा जरूर छेड़ दी। खासतौर पर इसलिए कि एक दिन पहले ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद विपक्षी सांसदों के मार्च में शामिल हुए थे और हिरासत में लिए गए थे। बाद में रिहा होने के बाद वह लखनऊ लौट गए।

लंच में नहीं दिखी समाजवादी पार्टी

बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से INDIA गठबंधन के सांसदों के लिए आयोजित लंच में भी सपा के प्रतिनिधि नजर नहीं आए। इसके बाद राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में भी सपा की गैरमौजूदगी को लेकर सवाल उठे। यूपी में कांग्रेस और सपा के बीच 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक स्पेस और गठबंधन की रणनीति को लेकर पहले से ही चर्चाएं चल रही हैं। ऐसे में दिल्ली के संयुक्त कार्यक्रम से सपा की दूरी को कुछ लोग उसी राजनीतिक खींचतान के संदर्भ में देख रहे हैं।

प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई आप

बुधवार को हुए प्रदर्शन में कांग्रेस, टीएमसी, आरजेडी, वाम दलों समेत कई विपक्षी दल चुनाव आयोग के खिलाफ साझा मुद्दे पर साथ दिखाई दिए। दूसरी तरफ सपा की गैरमौजूदगी ने सवाल भी उठाए। इसके अलावा डीएमके और आप ने भी कहा कि वे इस मुद्दे पर चुनाव आयोग के खिलाफ हैं लेकिन वे इंडिया के प्रदर्शनों में शामिल नहीं हुए। हालांकि बीजेडी के सांसद इंडिया गठबंधन के मार्च में मंगलवार को शामिल हुए थे।

कांग्रेस ने किया इनकार

हालांकि कांग्रेस ने इसे गठबंधन में किसी तरह की दरार के तौर पर देखने से इनकार किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि लंच के लिए INDIA जनबंधन के सभी दलों को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि लंच का फैसला मंगलवार देर रात लिया गया और उसी समय इसकी जानकारी दी गई। ऐसे में स्वाभाविक था कि कुछ दलों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने जताई आपत्ति

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया में सपा की गैरमौजूदगी को लेकर हो रही टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों में इसको लेकर बेवजह टिप्पणी की जा रही है। उनके मुताबिक INDIA और अन्य विपक्षी दल वोट चोरी, SIR और परिसीमन के मुद्दे पर एकजुट हैं और पूरी मजबूती से एक-दूसरे के साथ खड़े हैं।

मामले में सपा प्रमुख ने दी सफाई

लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने INDIA गठबंधन के सांसदों के लंच को लेकर कहा कि यह सिर्फ एक लंच तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चाय पर भी बैठक हो सकती है और सभी साथ बैठकर समोसे भी खा सकते हैं। अखिलेश ने इसे गठबंधन की जारी डिप्लोमेसी का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह सिलसिला आगे भी चलता रहेगा।

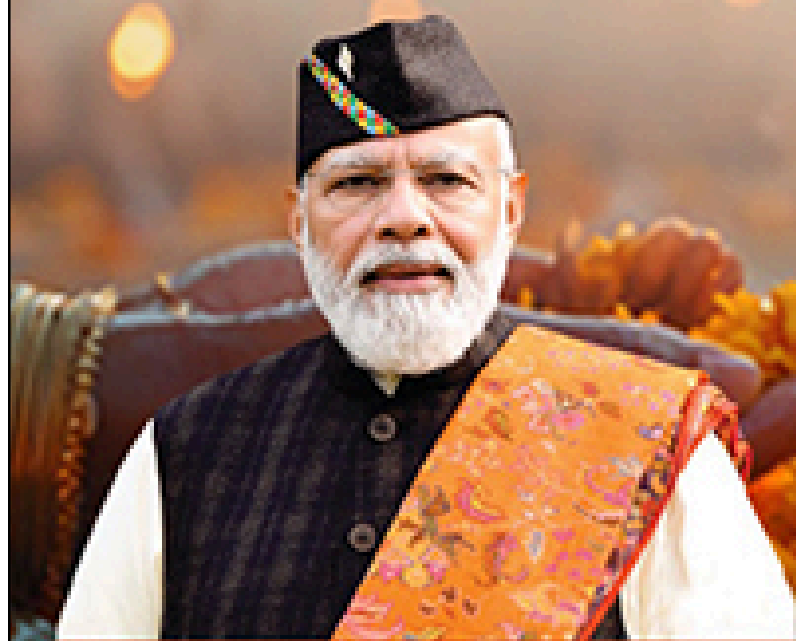


हरिद्वार कुंभ

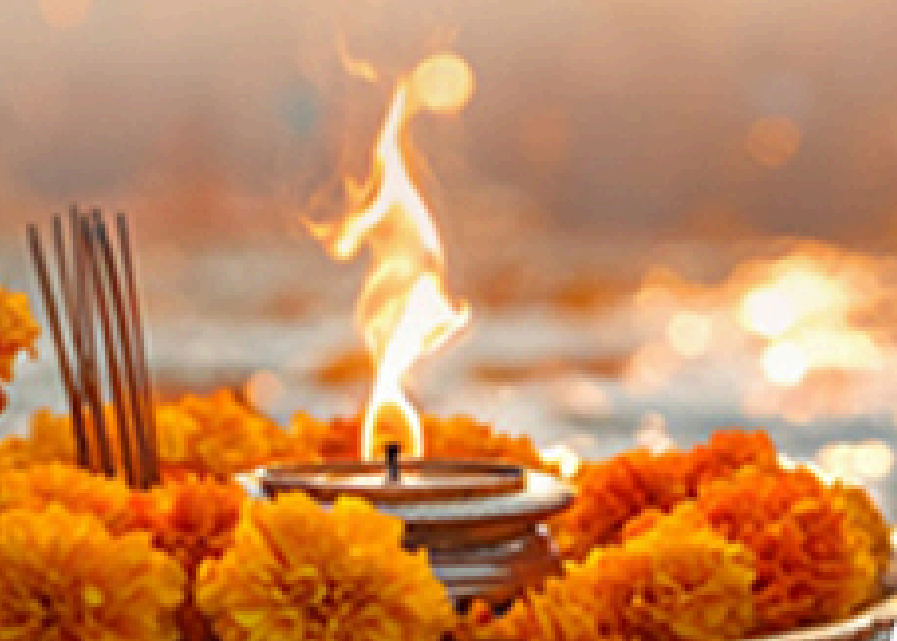
2027

सनातन संस्कृति का विराट उत्सव

क्लिक करें



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड



पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

लोगों का अनोखा प्रदर्शन रोहिंग्याओं के खिलाफ एक्शन पर भड़के सीएम उमर अब्दुल्ला

मेरठ: उत्तर प्रदेश में मेरठ शहर में बंदरों के बढ़ते आतंक के विरोध में बुधवार को वार्ड-60 के लोगों ने अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बंदरों के मुखौटे लगाकर कमिश्नरी पहुंचे और बंदरों को पकड़ने की मांग की। लोगों का कहना है कि पिछले करीब दो महीने से क्षेत्र में अचानक 200 से 300 बंदरों के झुंड घूम रहे हैं।

पानी की टंकियां तोड़ने और सामान नुकसान पहुंचाने का आरोप

क्षेत्रवासियों के मुताबिक, दिन हो या रात, बंदर सड़कों और घरों के आसपास बैठे रहते हैं। आरोप है कि बंदर लोगों के घरों की पानी की टंकियां तोड़ देते हैं। सूखने के लिए डाले गए कपड़े फाड़ने के साथ ही अन्य सामान को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। भाजपा पार्षद रेखा सिंह और पूर्व पार्षद नीरज के नेतृत्व में वार्ड-60 के लोगों ने डीएम को ज्ञापन दिया। लोगों ने बताया कि क्षेत्र में कई स्कूल हैं और उनके बाहर भी बड़ी संख्या में बंदर जमा रहते हैं। ऐसे में स्कूल आने-जाने वाले छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में डर बना हुआ है।



मेरठ के वार्ड - 60 में बंदरों के बढ़ते आतंक से परेशान लोगों ने बुधवार को अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। लोग बंदरों के मुखौटे लगाकर कमिश्नरी पहुंचे और बंदरों को पकड़ने की मांग की।

चुनाव आयोग वोट काट रहा है

आजमगढ़: समाजवादी पार्टी (सपा) ने चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग तेज कर दी है। पार्टी सांसद धर्मेन्द्र यादव ने इस मुद्दे पर आजमगढ़ से लेकर दिल्ली तक विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) ने भी 9 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदर्शन की घोषणा कर समर्थन दिया है। सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कहा, "चुनाव आयोग पर पूरे देश का अविश्वास हो चुका है। चुनाव आयोग ने पहले आम लोगों को, फिर राजनीतिक दलों को गुमराह किया। अब तो सर्वोच्च न्यायालय के नाम का दुरुपयोग करके वोट काट रहा है। मैं समझता हूँ कि इससे बड़ा कोई देशद्रोह नहीं हो सकता है, जो चुनाव आयोग लोगों के वोट काटकर कर रहा है।" उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने नेता अखिलेश यादव के नेतृत्व में मंगलवार को दिल्ली में संघर्ष में थी और अपने-अपने स्तर से जिलों में संघर्ष कर रही है। बुधवार को आजमगढ़ के सभी लोग, बुजुर्ग नेता इस संघर्ष के रास्ते पर निकल पड़े हैं।

आप सांसद संजय सिंह ने क्या कहा?

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने कहा कि अगर इस देश की चुनाव प्रणाली का ही गला घोट दिया गया है, तो ज्ञानेश कुमार को जेल में डालना चाहिए। जहां-जहां चुनावों में गड़बड़ी की गई है, वहां के सभी चुनाव रद्द होने चाहिए। चाहे बंगाल हो, बिहार हो, दिल्ली हो, महाराष्ट्र हो या हरियाणा हो, इन सभी राज्यों के चुनावों में गड़बड़ियां सामने आई हैं।



समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग के खिलाफ तीखा हमला बोल दिया है। सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग करते हुए आजमगढ़ से दिल्ली तक बड़े विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।



कई लोगों को बंदरों के काटने का दावा

लोगों का आरोप है कि बंदरों के हमले में कई लोग घायल हो चुके हैं। उनका कहना है कि पिछले दिनों एक पार्षद और पार्षद के बेटे को बंदरों ने काटा था। एक बुजुर्ग को भी बंदरों के काटने की बात कही गई। पूर्व पार्षद नीरज ने कहा कि नगर निगम और वन विभाग के अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई बार नगर स्वास्थ्य अधिकारी और वन विभाग को फोन कर शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नीरज ने कहा कि किसी बड़ी घटना के बाद प्रशासन जागे, इससे पहले ही बंदरों को पकड़ना चाहिए।

कई जगहों पर 200 से 300 बंदरों का झुंड

पूर्व पार्षद नीरज ने बताया कि क्षेत्र के मॉडर्न स्कूल, फॉरवेली स्कूल, जैमिनी-जैमिनी पब्लिक स्कूल और डेफोडिल स्कूल के आसपास बड़ी संख्या में बंदर जमा रहते हैं। उनका कहना है कि कई जगहों पर 200 से 300 बंदरों के झुंड देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंदरों के डर से बच्चों और बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो रहा है।

अधिकारियों का ध्यान खींचने के लिए लगाया बंदर का मुखौटा

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बंदरों के मुखौटे लगाकर प्रदर्शन इसलिए किया गया, ताकि अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर खींचा जा सके। लोगों ने मांग की कि डीएम, नगर निगम और वन विभाग के अधिकारियों को साथ बैठकर जिम्मेदारी तय की जाए और जल्द बंदरों को पकड़ने की कार्रवाई कराई जाए।

सपा सांसद ने की मांग

सपा सांसद ने कहा कि हमारी मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बर्खास्त होने चाहिए। उन्होंने देश के अंदर पूरी तरह से वातावरण बिगाड़ दिया है, लोगों का विश्वास खत्म कर दिया है। फॉर्म-6 को बिना संसद में पास किए, उसमें संशोधन नहीं हो सकता था। उन्होंने अपने अधिकार न होने के बावजूद फॉर्म-6 बदला, दो साथी चुनाव आयुक्तों की बात पर भी विश्वास नहीं किया, जबकि उनका भी समान अधिकार था। इन्होंने जो एकतरफा फैसला लिया, इसकी वजह से आज पूरा देश चुनाव आयुक्त के खिलाफ मुखर है। धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि समय भी मांगा गया और समय दें या न दें, लेकिन जनता समय ले लेगी और मजबूर कर देगी कि चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें। इसीलिए हम मंगलवार को संसद के सामने थे, और आज आजमगढ़ में भी सड़कों पर हैं। सिर्फ आजमगढ़ ही नहीं, पूरे देश के लोग आज सड़कों पर हैं।

सपा प्रवक्ता ने उदयवीर सिंह ने क्या कहा?

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश के लिए चुनाव आयोग की साख बहुत जरूरी है। चुनाव आयोग की साख बनी रहेगी, तभी लोगों का चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा रहेगा और तभी केंद्र व प्रदेश में चुनी हुई सरकारें सही मायने में जनमत का प्रतिनिधित्व कर पाएंगी। जनता का इन संस्थाओं पर विश्वास ही लोकतंत्र और संविधान का आधार है, और इसी पर हमला हो रहा है। यह हमला विपक्ष नहीं कर रहा है, बल्कि यह बात खुद चुनाव आयोग के दो सदस्यों द्वारा सामने आई है। अभी तक इस पर किसी सार्वजनिक मंच से कोई सफाई भी नहीं आई है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए बेहद जरूरी है। अगर भारतीय जनता पार्टी का लोकतंत्र और संविधान में भरोसा है, तो उसे सबसे पहले इस पर संज्ञान लेना चाहिए था, क्योंकि तीनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भाजपा ने ही की है।

रोहिंग्याओं के खिलाफ एक्शन पर भड़के सीएम उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर: जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रोहिंग्याओं के खिलाफ हालिया प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें बिना किसी वजह के निशाना बनाया जा रहा है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जो लोग बिना इजाजत बांग्लादेश से आए हैं, उनका मामला अलग है। लेकिन रोहिंग्या, जिन्हें बिना किसी वजह के निशाना बनाया जा रहा है, जब उन्हें उनके देश से निकाला गया था तो हमने उन्हें यहां जगह दी थी।

बोले- हमने दी इजाजत

उन्होंने आगे कहा कि हमने उन्हें (रोहिंग्या) तब तक यहां रहने की इजाजत दी थी जब तक उनके देश के हालात बेहतर न हो जाएं। मुझे अचानक उनके खिलाफ कार्रवाई करना अजीब लगता है, लेकिन यह हमारे हाथ में नहीं है। यह भारत सरकार का मामला है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे 250 बांग्लादेशी नागरिकों को सोमवार को आईएएफ की फ्लाइट से पश्चिम बंगाल ले जाया गया, ताकि उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जा सके।

यूसीसी को लागू नहीं करेगी हमारी सरकार

मुख्यमंत्री ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार इसे लागू नहीं करेगी। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कानून (यूसीसी) पर संसद में बहस होनी चाहिए और इसे संसद द्वारा ही बनाया जाना चाहिए। अगर हिम्मत है तो संसद में कानून लाएं। संसद में इस पर बहस करें। देखें कि यह संसद में पास होता है या नहीं। यूनिफॉर्म सिविल कोड



(यूसीसी) एक ऐसा प्रस्ताव है, जिसके तहत सभी नागरिकों के लिए एक ही तरह के पर्सनल लॉ (निजी कानून) होंगे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। यूसीसी शादी, तलाक, गोद लेने, विरासत और उत्तराधिकार से जुड़े धर्म-आधारित अलग-अलग नियमों की जगह लेगा। अभी, अलग-अलग धार्मिक समुदाय अपने-अपने अलग पर्सनल लॉ का पालन करते हैं जो धर्मग्रंथों और रीति-रिवाजों पर आधारित होते हैं।

यूसीसी पर कही ये बात

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के आर्टिकल 44 में यूसीसी का जिक्र 'राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत' के तौर पर किया गया है, जिसका मतलब है कि यह राज्य की नीति के लिए मार्गदर्शन तो करता है, लेकिन इसे अदालतों के जरिए कानूनी रूप से लागू नहीं कराया जा सकता। यूसीसी के समर्थक कहते हैं कि यह भेदभावपूर्ण परंपराओं को खत्म करके जेंडर जस्टिस (लैंगिक न्याय), कानून के सामने समानता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। आलोचक सांस्कृतिक विविधता, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हैं।

आतंकियों के 5 मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर: कुलगाम पुलिस ने इलाके में आतंकियों के पांच मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियारों को बरामद किया गया है। उनकी पूछताछ की जा रही है ताकि उनके बाकी लिंक का पता किया जा सके। बता दें कि जानकारी मिलने पर कुलगाम पुलिस ने सेना और बाकी एजेंसियों के साथ मिलकर पांच आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। कुलगाम के खेवन चदर इलाके में उनके पास से हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए। बरामद किए गए हथियारों में दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 40 राउंड और 3 ग्रेनेड शामिल हैं।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तजामुल हुसैन मीर, रहमत अली नाइकू, तहरीम अहमद भट, मंजूर अहमद भट, किफायत अहमद डार के रूप में हुई है। कुलगाम पुलिस ने इन सभी के खिलाफ विभन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। फिलहाल आगे की जांच जारी है। पूछताछ के दौरान पता चला कि यह सभी आतंकियों के लिए काम करते थे। उनके सामान को आगे पीछे ले जाने के अलावा आतंकियों को सूचनाएं देने का भी काम करते थे।



हंदवाड़ा के ठिकाने से ग्रेनेड से उड़ाया

वहीं सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में नगदा नार जंगल इलाके में एक पुराने ठिकाने से हथियारों और गोला बारूद का खजीरा बरामद किया। जानकारी के आधार पर हंदवाड़ा पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने जंगल इलाके में तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान संयुक्त टीम ने एक पुराने ठिकाने का पता लगाकर उसे नष्ट कर दिया और एक एके 47 राइफल, तीन ग्रेनेड, 857 राउंड, एक साइलेंसर और 83 पिस्टल राउंड के साथ साथ अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया।

सीबीआई के जाल में फंसा दिल्ली पुलिस का एस.आई.

20 हजार ऐंठने के बाद ले रहा था 80 हजार की घूस, रंगेहाथों पकड़ा

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के एक उप-निरीक्षक (एसआई) को 80,000 रुपये की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

सीबीआई अधिकारियों ने दी जानकारी

अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जांच एजेंसी ने चार अक्टूबर को मिली एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि मामले में जांच अधिकारी उप-निरीक्षक प्रशांत विहार थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता की मदद करने के एवज में उससे एक लाख रुपये की रिश्तत मांग रहा था।

अफसर ने दवाब बनाकर ऐंठ लिए 20 हजार

बयान के अनुसार, आरोपी उप-निरीक्षक ने शिकायतकर्ता की तलाशी के दौरान उसकी जेब से मिले 20,000 रुपये 'दबाव बनाकर' कथित तौर पर ऐंठ



लिए। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता को बाकी बचे 80,000 रुपये अगले दिन लाने का निर्देश दिया।

सीबीआई ने SI को किया गिरफ्तार

सीबीआई ने बताया कि उसने चार अक्टूबर को आरोपी को शिकायतकर्ता से 80,000 रुपये लेते हुए पकड़ लिया। बयान में कहा गया है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

सीबीआई ने भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के एक उप-निरीक्षक (एस.आई) को 80,000 रुपये की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

अनिशा के जाल में 'चार लाख की छेल'

तेलंगाना ACB के इतिहास में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा मामला सामने आया है। मेहदीपट्टनम में GHMC टाउन प्लानिंग सुपरवाइज़र सुनीता को कंस्ट्रक्शन परमिट के लिए ₹4 लाख की रिश्त लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। ACB अधिकारियों ने एक सुनियोजित छापेमारी के बाद उसे गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी कि अगर सरकारी दफ्तरों में रिश्त मांगी जाए, तो वे ACB से संपर्क करें।

हैदराबाद: एंटी-कorrupशन ब्यूरो (ACB) के अधिकारियों ने मेहदीपट्टनम GHMC ऑफिस में अचानक छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान, टाउन प्लानिंग सुपरवाइज़र सुनीता को ₹4 लाख की रिश्त लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उन पर कंस्ट्रक्शन परमिट और मंजूरी के लिए रिश्त मांगने का आरोप था। इस जानकारी के आधार पर, ACB अधिकारियों ने एक योजना बनाई और उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया। बताया जा रहा है कि सुनीता ने एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट के परमिट के लिए कुल ₹8 लाख की रिश्त मांगी थी; ACB अधिकारियों ने उन्हें ₹4 लाख की पहली किश्त लेते हुए हिरासत में ले लिया।



अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने रिश्त की रकम ज़ब्त कर ली है। सुनीता को हिरासत में लेने के बाद, ACB अधिकारियों ने मेहदीपट्टनम GHMC ऑफिस में तलाशी ली। उन्होंने ज़रूरी फ़ाइलों, दस्तावेज़ों और रिकॉर्ड की जाँच की और अहम दस्तावेज़ ज़ब्त किए। ऐसा लगता है कि अधिकारी अभी रिश्त की माँग के बारे में और सबूत इकट्ठा कर रहे हैं। मामले की पूरी जानकारी और आगे की कानूनी कार्रवाई के बारे में ACB के आधिकारिक बयान का इंतज़ार है। अधिकारी लोगों को सलाह देते हैं कि अगर कोई सरकारी ऑफ़िस में सरकारी काम के लिए रिश्त माँगे, तो वे ACB से संपर्क करें। रिश्त के आरोपों पर अंतिम फ़ैसला जाँच और कानूनी कार्रवाई के बाद लिया जाएगा।

जितिया व्रत के दिन ही मां ने 'खोया बेटा'

नई दिल्ली: ऊट्टी से घर लौट रहे एक युवक पर शाहबाद डेयरी थाना इलाके में चाकू ताबड़तोड़ हमला किया गया। युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सचिन उर्फ काला के रूप में हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर मुख्य आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य को हिरासत में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, सचिन दूसरे समुदाय की एक लड़की से बातचीत करते थे। इसको लेकर लड़की के परिवार के साथ उनका विवाद चल रहा था। पहले इस विवाद को सुलझा लिया गया था, लेकिन शनिवार रात आरोपियों ने मौका देखकर सचिन पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। वारदात की सूचना मिलते ही शाहबाद डेयरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। मौके पर फॉरेंसिक और क्राइम टीम भी पहुंची और घटनास्थल से ज़रूरी सबूत जुटाए।

जितिया के व्रत वाले दिन मां ने खोया बेटा

मृतक की मां ने बताया कि जितिया पर्व के दिन उन्होंने सचिन के लिए व्रत रखा था और उसी रात बेटे को खो दिया। पिता सुरेंद्र ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। चाचा चंद्रिका ने बताया कि ऐसा कोई बड़ा मामला नहीं था, जिस कारण भतीजे की हत्या कर दी गई। शनिवार रात सचिन से बात हुई थी। उसने कहा था कि थोड़ी देर में घर आ रहा हूँ। मैंने कहा कि साथ में खाना खाएंगे, लेकिन वह नहीं लौटा। पुलिस ने सचिन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कॉमन गर्लफ्रेंड को लेकर हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार कॉमन गर्लफ्रेंड को लेकर विवाद हुआ था। जिस लड़की से दोस्ती सचिन की थी उसी से अमन की भी थी। पुलिस ने अमन उर्फ आरिफ खान और उसकी मां नफीसा और मामा मोहम्मद इमरान को पकड़ लिया है।



पुलिस इंस्पेक्टर एन. सुरेश ने दी बधाई

साइबराबाद: जगदगिरीगुट्टा पुलिस स्टेशन की महिला पुलिस कॉन्स्टेबल तेजश्री ने 2026 तेलंगाना राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता (बैडमिंटन) में सिंगल्स और डबल्स दोनों कैटेगरी में गोल्ड मेडल और मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। जगदगिरीगुट्टा के इंस्पेक्टर एन. सुरेश ने उनके शानदार प्रदर्शन और मेडल जीतने की उपलब्धि के लिए उन्हें शॉल देकर सम्मानित किया। इसके बाद, इंस्पेक्टर एन. सुरेश ने हेड कॉन्स्टेबल कट्टावीरा नागा अंजी बाबू की बेटी हेमा हसिनी को भी शॉल देकर सम्मानित किया और उन्हें बधाई दी, क्योंकि उन्होंने महबूबनगर के SVS गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में BDS कोर्स में सीट हासिल की थी।



टीवी ड्रामा से नहीं बदलेगी जमीनी हकीकत

नई दिल्ली: भारत ने बुधवार को क्षेत्रीय सुरक्षा और सीमा पार घुसपैठ के बारे में पाकिस्तान के आरोपों का कड़ा जवाब दिया। भारत ने कहा कि इस्लामाबाद की लंबे समय से चली आ रही सरकारी मदद से सीमा पार आतंकवाद फैलाने की नीति को मनगढ़ंत मीडिया नैरेटिव से छिपाया नहीं जा सकता।



क्या 2500 रुपये महिलाओं की जिंदगी बदल सकती है?

- दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत 21 से 60 वर्ष आयु की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सरकार की ओर से 2500 रुपये की राशि जमा की जाएगी।
- लाभार्थी को दिल्ली में न्यूनतम 10 वर्षों तक रहने वाले परिवार की सबसे बड़ी पात्र महिला होनी चाहिए और उसके पास वैध मतदाता पहचान पत्र होना चाहिए।
- अयोग्य ठहराने के मानदंडों में वे महिलाएं शामिल हैं जो आयकर का भुगतान करती हैं, सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी हैं। किसी भी पेंशन की प्राप्तकर्ता हैं।
- अगर फोर व्हीलर चार पहिया वाहन की मालिक हैं, तीन से अधिक बच्चे हैं, सालाना 2,400 यूनिट से अधिक बिजली का उपभोग करती हैं।
- या फिर किसी भी आपराधिक पृष्ठभूमि के अलावा परिवार में एक सरकारी कर्मचारी हैं तो उन महिलाओं को लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

नई दिल्ली: लोधी रोड पर कैप में रहने वाली 52 साल की उमा खुश हैं कि 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की वजह से उनकी बचत में हर महीने कुछ पैसे जुड़ेंगे। उनकी बेटी ने अभी कॉलेज जाना शुरू किया है, और उमा को उसकी शादी के लिए पैसे जुटाने की चिंता थी। 29 साल की प्रीति के लिए, हर महीने मिलने वाले 2,500 रुपये का मतलब सिर्फ एक है- अपनी 10 साल की बेटी की पढ़ाई में रुचि को बढ़ावा देना। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी के नाथूपुरा में रहने वाली प्रीति के परिवार के भविष्य का सपना उनकी बेटी की पढ़ाई पर टिका है। उन्होंने गर्व से TOI को बताया कि वह टीचर बनना चाहती हैं। और प्रीति क्या चाहती हैं? अपने तीन साल के शरारती बेटे को संभालते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों के बाद, मेरी अपनी इच्छाएं खत्म हो गईं।

क्या कह रही दिल्ली की महिलाएं?

कोटला मुबारकपुर के पास रहने वाली सुमित्रा (35) के मन में भी लंबे समय से यही बात थी। उनकी जिंदगी अपने 15 और 13 साल के बेटों की परवरिश और पति की मदद करने के इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन मिलने वाले स्टैंडपेंड (भत्ते) की उम्मीद ने जिम्मेदारियों के बोझ तले दबी एक पुरानी इच्छा को फिर से उनके दिल में जगा दिया। सुमित्रा सिलाई सीखना चाहती थीं। लेकिन छह महीने के कोर्स की फीस 4,000-5,000 रुपये है। पति की 20,000 रुपये महीने की सैलरी में सुमित्रा का घर बहुत सीमित बजट में चलता है। 5,000 रुपये किराए में, लगभग 10,000 रुपये खाने-पीने और राशन में, और बाकी पैसे बेटों की पढ़ाई और घर के दूसरे खर्चों में चले जाते हैं।

महिलाओं की जिंदगी बदलेगी ये योजना!

शिरिन अख्तर ने कहा कि यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि परिवार क्या खरीदना बंद कर देता है? यदि यह फल, दूध, दालें हैं, तो आज की मुद्रास्फीति कल की पोषण संबंधी कमी बन जाती है। यदि यह दवाएं हैं, तो यह स्वास्थ्य की कमी बन जाती है। यदि यह ट्यूशन, किताबें या स्कूली शिक्षा है, तो यह मानव-पूंजी की कमी बन जाती है। यदि परिवार केवल आवश्यक उपभोग को बनाए रखने के लिए उधार लेता है, तो आज की मुद्रास्फीति कल का कर्ज का बोझ बन जाती है। और अगर महिलाएं अवैतनिक घरेलू और देखभाल की जिम्मेदारियों को जारी रखते हुए भुगतान किए गए काम को बढ़ाकर क्षतिपूर्ति करती हैं, तो मुद्रास्फीति महिलाओं की गरीबी को भी बढ़ाती है।

दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने लक्ष्मी योजना के तहत दिल्ली में महिलाओं के लिए स्वास स्क्रीम लॉन्च की है। इसमें पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। हालांकि, इस योजना से क्या महिलाओं की जिंदगी बदल सकती है, स्वास रिपोर्ट।

2500 रुपये की मदद से कितना असर

हालांकि, अब, सुमित्रा घर तक सीमित भूमिकाओं से आगे की सोच रही हैं। वह सिलाई सीखना चाहती हैं, अपना कुछ शुरू करना चाहती हैं और घर में ज्यादा योगदान देना चाहती हैं। उनके पति, जो चपरासी का काम करते हैं, ने कहा कि अगर वह अपने पैसे खुद कमाएंगी तो मुझे बहुत खुशी होगी। 2025 के विधानसभा चुनावों के दौरान, बीजेपी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि वह आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की सहायता देगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि इस कदम का मकसद ऐसी महिलाओं को ज्यादा आर्थिक सुरक्षा देना और उन्हें स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करना है।

कुछ राहत, लेकिन आय की शर्तें

'पहले इंडिया फाउंडेशन' के चेयरमैन और नीति आयोग के पूर्व वाइस-चेयरमैन, अर्थशास्त्री राजीव कुमार के अनुसार, हालांकि यह योजना महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण बचत का अवसर देती है, लेकिन आय की पात्रता की शर्त कई लोगों को इससे बाहर कर सकती है। राजीव कुमार ने कहा कि कोई भी अतिरिक्त आय कुछ राहत तो देती ही है। लेकिन सालाना 2.5 लाख रुपये से कम पारिवारिक आय का मानदंड थोड़ा कड़ा है। इसका मतलब है कि प्रति परिवार मासिक आय 21,000 रुपये से कम या प्रतिदिन 700 रुपये से कम होनी चाहिए।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

उन्होंने आगे कहा कि इसका मतलब चार लोगों के परिवार के लिए प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन 200 रुपये से कम है। राजीव कुमार ने बताया कि मार्च में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 के लिए दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 5.3 लाख रुपये रहने का अनुमान था। हम इससे ज्यादा आय सीमा (कट-ऑफ) चुन सकते थे।

अंजली ने बताया कैसे चलता है घर खर्च

करोल बाग के शिदीपुरा की रहने वाली अंजली (38) अपने घर के पास एक गोदाम में पेन और अन्य सामान पैक करके महीने के 7,000 रुपये कमाती हैं। उनके पति की न तो कोई पक्की नौकरी है और न ही कोई निश्चित वेतन। हालांकि, आय के अनिश्चित स्रोतों के बावजूद, वह घर संभालने में माहिर हैं और यह जोड़ा मिलकर अगले महीने की योजना बनाता है। उन्होंने कहा कि बहुत सारी परेशानियां हैं, लेकिन हम उनका सामना करते हैं और आगे बढ़ते रहते हैं।

'लक्ष्मी योजना जरूर मिलेगी कुछ राहत'

अंजली ने कहा कि उनके घर में एक ऐसा खर्च है जिसमें कोई कटौती नहीं की जा सकती, और वह है उनके 15 साल के बेटे की स्कूल और ट्यूशन फीस- जो महीने में 2,000 से 3,000 रुपये है। उनके 70 से ज्यादा उम्र के सास-ससुर, जिनके घर में पूरा परिवार रहता है, उनका साथ देते हैं और उन्हें राहत भी मिलती है।

महंगाई का असर

इस इनकम ग्रुप वाले परिवारों के लिए, जिन्हें जरूरी चीजों की कीमतें बढ़ने की उम्मीद नहीं होती, 'लक्ष्मी योजना' जैसी वेलफेयर स्क्रीम कितनी मददगार होती है? डीयू के जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में इकोनॉमिक्स की एसोसिएट प्रोफेसर शिरिन अख्तर ने कहा कि दिल्ली में औसत प्रति व्यक्ति आय इतनी ज्यादा है, फिर भी बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं जिनकी सालाना आय 2.5 लाख रुपये से कम है। यह भारी असमानता को दिखाता है। यह बंटवारे से जुड़ा मुद्दा है।

2500 रुपये का ट्रांसफर बेहद अहम

शिरिन अख्तर ने आगे कहा कि चीनी की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी पर गौर करें। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पूरे भारत में चीनी की औसत खुदरा कीमत जुलाई में लगभग 48 रुपये प्रति किलो थी, जो 26 अगस्त तक 65 रुपये से ज्यादा हो गई। जो परिवार बमुश्किल अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर पा रहे हैं, उनके लिए कीमतों में ऐसी बढ़ोतरी का मतलब है कि उन्हें अपनी खपत में असल बदलाव करने पड़ सकते हैं। ऐसे में, 2,500 रुपये का ट्रांसफर अहम हो जाता है। हालांकि, अख्तर ने कहा कि सबसे गरीब परिवारों के मामले में, 'खर्च का एक बहुत बड़ा हिस्सा जरूरी चीजों पर ही होता है।'



तेलंगाना रक्षण सेना में बड़े पैमाने पर जुड़ाव

खानापुर निर्वाचन क्षेत्र के कई सरपंच पार्टी में शामिल हुए



हैदराबाद: निर्मल ज़िले के BJP ST मोर्चा के अध्यक्ष, सुचू येल्लैया, तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS) में शामिल हो गए हैं। वे खानापुर विधानसभा क्षेत्र के कई सरपंचों के साथ पार्टी में शामिल हुए। बुधवार को, TRS नेता कलवकुंतला कविता ने बंजारा हिल्स स्थित पार्टी कार्यालय में उन्हें पार्टी का स्कार्फ पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। सरपंच टेकम लक्ष्मण, गड्डम भीमूडू, के. राजेंद्र, कस्तूरी अर्जुन और श्रीपेल्ली शेखर; उप-सरपंच पी. राजू, चिट्टू कांथी और गम्पला भूमन्ना; पूर्व MPTC सदस्य राम सिंह और शिंदे सदाशिव; पूर्व सरपंच ए. शंकर; और नायकपोड व कोलम समुदायों के प्रमुख नेता और प्रतिनिधि TRS में शामिल हुए। कविता ने उन्हें निर्मल ज़िले और खानापुर विधानसभा क्षेत्र, दोनों में TRS को मज़बूत करने के लिए मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने उनसे इस महीने इंद्रावेल्ली में होने वाली 'पंचजन्य संकल्प सभा' की सफलता के लिए प्रयास करने का भी आग्रह किया।

चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र की कदासी गीता ने बुधवार को BRS और कांग्रेस पार्टियों के नेताओं के साथ TRS पार्टी का दामन थामा। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने उन्हें पार्टी का स्कार्फ पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया।



‘बथुकम्मा उत्सव’ के लिए भव्य इंतज़ाम किए जाने चाहिए।

कुक्कटपल्ली: तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक बथुकम्मा उत्सव से पहले, कुक्कटपल्ली के विधायक माधवराम कृष्ण राव ने बुधवार को IDL झील का निरीक्षण किया। उन्होंने आने वाले त्योहारों के लिए की जाने वाली तैयारियों के बारे में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस मौके पर विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी तैयारियां पूरी करें ताकि बड़ी संख्या में आने वाली महिलाओं और स्थानीय महिलाओं को कोई परेशानी न हो। उन्होंने झील के आसपास सजावटी रोशनी, साफ़-सफ़ाई और पीने के पानी जैसी ज़रूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विधायक ने विशेष रूप से पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे बिना किसी रुकावट के कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मज़बूत उपाय करें। उन्होंने महिलाओं के लिए आरामदायक माहौल बनाने के लिए सभी विभागों के अधिकारियों के बीच तालमेल बिठाकर काम करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने कुक्कटपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के उन सभी स्थानों पर, जहाँ बथुकम्मा उत्सव मनाया जाता है—जैसे सुन्नम चेरुवु, कामुनि चेरुवु, IDL झील, बोइन चेरुवु और बोवेनपल्ली—ज़रूरी इंतज़ाम पूरे करने और बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विधायक माधवराम कृष्ण राव ने कहा, "हमारी सभी महिलाओं को तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के अनूठे प्रतीक बथुकम्मा उत्सव को खुशी और धूमधाम से मनाना चाहिए। हमारा लक्ष्य



ऐसे इंतज़ाम करना है ताकि हर कोई बिना किसी परेशानी के इसमें शामिल हो सके।" इस मौके पर विधायक ने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों, खासकर महिलाओं को बथुकम्मा उत्सव की बधाई दी। इस कार्यक्रम में पूर्व पार्षद पगाडाला बाबूराव, प्रभाकर गौड़, वेंकटेश, माधवराम रंगाराव, तुलसीराव, आनंदराव, नागराजू, आरोग्य रेड्डी के साथ-साथ विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी शामिल हुए।



दिल्ली में चुप, यहां कांव-कांव

मंडी: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कंगना रनौत समेत प्रदेश बीजेपी के सांसदों की तुलना कौवों से की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी के यह सांसद दिल्ली में अपने नेताओं के सामने अपनी जुबान नहीं खोलते हैं। उन्होंने कहा कि यह वहां पर चुप रहते हैं, लेकिन हिमाचल पहुंचते ही यह कौवों की तरह कांव-कांव करने लगते हैं। मंडी के बल्ह विधानसभा क्षेत्र के कांसा ग्राउंड में एक सभा को संबोधित करते हुए सुक्खू ने बीजेपी सांसदों पर यह हमला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसदों ने बीजेपी नेतृत्व के सामने राज्य से जुड़े मुद्दे नहीं उठाए।

बीजेपी सांसदों पर बरसे सीएम सुक्खू

बता दें कि सुखविंदर सिंह सुक्खू बल्ह विधानसभा क्षेत्र में कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करने पहुंचे थे। इस दौरान कांसा ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम सुक्खू ने कहा कि सांसदों ने दिल्ली में केंद्र सरकार के सामने हिमाचल से जुड़े मुद्दे नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि वो दिल्ली में चुप रहते हैं, जैसे ही वे हिमाचल प्रदेश में आते हैं, कौवों की तरह कांव-कांव करने लगते हैं।

सीएम ने की घोषणा

इस दौरान सीएम ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में बल्ह से पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। मुख्यमंत्री ने वोटर्स से कहा कि चौधरी को पहले न चुनकर उन्होंने गलती की थी और उनसे अपील की कि अगली बार वे उनका समर्थन करें। उन्होंने चौधरी के अनुरोध पर जल शक्ति और बिजली विभागों के डिविजनल ऑफिस और बल्ह में डीएमसी ऑफिस खोलने की भी घोषणा की। सुक्खू ने कहा कि उनकी सरकार 'मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत MGNREGA के तहत एक दिन के काम की शर्त को हटा देगी। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों की सालाना आय 75,000 रुपये तक है और जिनकी 21 साल से कम उम्र की एक से ज़्यादा बेटियां हैं, उन्हें इस योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपये मिलेंगे।



कार और स्कूटी सवार बाल-बाल बचे

मसूरी: मसूरी में शाम को मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानी वाले बैंड और मैगी प्वाइंट के बीच बुधवार शाम अचानक पहाड़ी का बड़ा हिस्सा दरकने से सड़क पर भारी मात्रा में मलबा और बोल्टर आ गिरा। अचानक हुए भूस्खलन से मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। गनीमत रही कि पहाड़ी से गिरा मलबा और बोल्टर किसी वाहन या व्यक्ति की चपेट में नहीं आया। एक कार और दो स्कूटी सवार हादसे की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर सड़क पर आ गिरा। जिस समय मलबा सड़क पर आया, उस दौरान मार्ग से वाहन गुजर रहे थे। बड़े बोल्टर सड़क पर गिरते देख वाहन चालकों ने किसी तरह अपने वाहनों को रोका और पीछे हटे। इसके बाद मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

लगातार गिर रहे पत्थर

भूस्खलन के बाद भी पहाड़ी से लगातार छोटे-बड़े पत्थर

और मलबा गिरने का सिलसिला जारी रहा। ऐसे में लोक निर्माण विभाग ने सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल वाहनों को भूस्खलन वाले स्थान से गुजरने की अनुमति नहीं दी। विभाग की जेसीबी मौके पर पहुंची और सड़क पर आए मलबे व बोल्टरों को हटाने का काम शुरू किया गया।

अधिकारियों ने दी जानकारी

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अचानक पहाड़ी के दरकने के कारण बड़ी मात्रा में मलबा और बोल्टर सड़क पर आ गए। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मलबा हटाने के साथ ही पहाड़ी की स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है। जब पत्थरों और मलबे के गिरने का खतरा कम होगा और सड़क को सुरक्षित घोषित किया जाएगा, तभी यातायात को सुचारू किया जाएगा। फिलहाल मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है, जिससे यात्रियों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मसूरी में बुधवार शाम मसूरी-देहरादून मार्ग पर पानी वाला बैंड और मैगी प्वाइंट के बीच पहाड़ी का बड़ा हिस्सा अचानक दरक गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्टर सड़क पर आ गिरे।